Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 14-08-2006

Participants : Dasmunsi Shri Priya Ranjan

an>

Title: Statement regarding launching of Doordarshan's Urdu Channel by Prasar Bharati.

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रियरंजन दासमुंशी) : अध्यक्ष महोदय, उर्दू एक अहम जुबान है। मीलियन आवाम ने इसे मादरी जुबान करारा दिया है। उर्दू बोलने और समझने वालों की असली तादाद इससे भी कहीं ज्यादा है। उर्दू वालों की कीआबादी पूरे मुल्क में फैली हुई है। जुनूब में कर्नाटक से आन्ध्र तक शुमाल में उत्तरांचल से लद्दाख तक, मगरिब में गुजरात और राजस्थान से, पूरब में झारखंड और बिहार तक उर्दू जम्मू कश्मीर की सरकारी जुबान है। दिल्ली, बिहार और उत्तर प्र ादेश जैसी रियासतों में ये दूसरी सरकारी जुबान की हैसियत रखती है। उदू के आदमी और सकाफती रिवायतें कई सदियां पुरानी हैं। शेर तर्ज और सूफी लिटरेचर समेत उर्दू अदब की मुख्तलिफ असनाफ ने हिन्दुस्तान की अदबी और सक़ाफती तारीफ को काफी मालामाल किया है। हिन्दुस्तान में सिनेमा और नसरियत के आगाज के साथ उर्दू फिल्म देखने वालों फिल्मी नाकेदिन और रेडियों सामयीन में बहुत मकबूल हो गयी।

दूरदर्शन अपने बहुत से चैनलों से उर्दू प्रोग्राम नश्र करता आया है लेकिन ऐसा कोई चैनल नहीं है जो कि कौमी सतह पर उर्दू जुबान और इसकी पुरईमारत सकाफत के लिए मखसूस हो। इस वक्त जो उर्दू प्रोग्राम और उर्दू खबरें नश्र होती हैं वो उर्दू बोलने वाली आबादी की मालूमाती, तालीमी और सक़ाफती जरूरतों की तकमील में नाकाफी है।

इस तरह के किसी एकदम की शदीद जरूरत को महसूस करते हुए और इस सिलसिले में राय अम्मा को ध्यान में रखते हुए मेरे पेशरो श्री जयपाल रेड्डी जी ने 23.08.2004 को ऐवान में इसका यकीन दिलाया कि दूरदर्शन का उर्दू चैनल शुरू किया जायेगा। मुझे इस ऐवान में इस बात का ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि इफतरादी कुव्वत और दीगर जराय की कमी के बावजूद प्रसार भारती 15 अगस्त 2006 से डीडी उर्दू चैनल शुरू करके इस यकीन देहानी को अमली जामा पहना रही है।

ये न सिर्फ प्रसार भारती की तारीख में एक संगेमिल की हैसियत रखता है बल्कि मुज़मई तौर पर हिन्दुस्तान के ऐबलागी मंजरनामे में एज़हत का इजाफा है। डीडी उर्दू चैनल का इफतेताह इज्जत मुआफ

वज़ीरेआजम डॉ0 मनमोहन सिंह कर रहे हैं। शुरू में रोज़ाना सात घंटे का ट्रांसमिशन होगा बाद में इसकी

---

* Placed in Library. See No. LT 4746/06

तौसी करके इसे रात दिन कौम की खिदमत में रखा जायेगा। इस मकसद के लिए सॉफ्टवेयर बनाने की तैयारियां मुकतलिफ मराहिल में है। फिलहाल उर्दू चैनल सीपीसी दिल्ली से चलाया जायेगा। क्योंकि अपलिंकिंग की सहूलियत वहीं है, मुनासिब वक्त पर इसे आकाशवाणी भवन मुनतकिल कर दिया जायेगा। इस बीच में अपलिंक इनसैट 3 8 ट्रांसपौंडर से होगा। मुस्कबिल करीब में डीडी को 4ए इन्सेट पर जगह मिल जाएगी। उर्दू चैनल को इसी नए इनसैट पर मुतकिल कर दिया जाएगा। दूरदर्शन की डीटीएच सर्विस डीडी डायरैक्ट प्लस की 50 से 100 चैनल तक तोसी के साथ एक्सट्रा लॉट डीडी उर्दू चैनल को एलॉट कर दिया जाएगा। डीडी उर्दू को एक हैरिटेज चैलन के तौर पर तसदीक किया गया है। जिस की कुलहोम सूरत तफरी, मामूलाते अम्मां, तमाद्दुम और जरूरी इत्तेलात पर मुश्तमिल होगी। ट्रांसमीशन के आगाज में आधे घंटे का न्यूज मैगजीन होगा। उसके बाद डीडी मुम्बई से

तैयारशुदा एक घंटे का प्रोग्राम नश्र होगा। हमें इसका पूरा यकीन है कि इस चैलन को तमाम तबकों के लोग देखेंगे। लोग एक दूसरे के करीब आएंगे। असल कौमी धारा में शामिल होंगे। उर्दू के मतवालों की निशानी उमंगों को एक पहचान मिलेगी। उनको एक इजहार का वसीला मिलेगा। हमें यकीन है कि इस चैनल की वजूहात से सौफ्ट वेयर की बनावट में दरकार आने वाली एजेंसियों की जरूरत रोजगार की फरमाही के मसले को काफी हद तक हल करने में मददगार साबित होगी।